इन्टरव्यू २८
स्थान करौंदी

प्र: आपका नाम क्या है ?
ज: मेरा नाम खुनखुन है (हिन्दू)।

प्र: आपकी उम्र कितनी है ?
ज: मेरी उम्र 42 साल है।

प्र: आप इस समय बुनकारी के काम में नहीं है ?

ज: नहीं।

प्र: कितने साल से छोड़े हैं ?
ज: यही तीन साल हो गया।

प्र: क्यो छोड़ दिया ?
ज: यही अपना तबीयत खराब रहने की वजह से हमने काम बन्द कर दिया जैसे कि पेट का भार पड़ता था, और दसी लिए हमने काम बन्द कर दिया, जब हमीं ने बन्द कर दिया कार्यकर्ता हमी थे, हमी माल ले आते थे, ले जाते थे, इस लिए नया वाले नाही सपर पाउलेन, बन्द कर दिया हमने, जब कोई वरदी वाला नाही बा, तो क्या करेंगे, इसीलिए बन्द कर दिये।

प्र:आज के घर में और कितने लोग है जो बुनकारी के काम में लगे हुए थे ?
ज: हमारे घर में तीन भाई है, तीनों लोग लगे थे।

प्र: और तीनों लोग अब छोड़ दिये ?
ज: हां।

प्र: बाकी लोग क्यों छोड़ दिये, भाई लोग ?
ज: बाकी वही, नया की वजह से छोड़ दिये कि वे माल-ताल ले जा न पावें, और लिया न पावे, हम तो बचपने से करते थे।

प्र: आपके पिताजी भी करते थे ?
ज: नहीं पिता जी नहीं करते थे, मिस्त्री रहे राजगीर।

प्र: अच्छा वो राजगीर मिस्त्री थे आप तीनों भाई ही आ गये इस काम में तो आप तीनों कैसे आ गये इस काम में ?
ज: आ गये अब इसी तरह तो वखत पढ़ने लिखने लायक नहीं कोई था हमने अब बाबू जी सिखा दिये, भइया हमरे रहे कि ये काम सीख लो, आराम का काम था वो वखत, पैसा भी था, इसीलिए थोड़ा मजबूरी ये आ गयी कि मजदूरी कम पड़ने की वजह से सब माल रिजेक्ट हो जा रहल, इस वजह से हमने बन्द कर दिया।

प्र: आप का अपना करघा था या कहीं जाकर बुनते थे ?
ज: हां अपना ही करघा था, घर पर ही बुनते थे, अभी मशीन वशीन रखा है लेकिन अब इच्छा नहीं करता है, मजदूरिये नहीं पड़ता था।

प्र: मजदूरी नहीं पड़ता था, मतलब आप जब बुनते थे..?
ज: अपना मजदूरी पड़ता था।

प्र: आपका तानी बाना अपना होता था या आप लेकर आते थे ?
ज: हां हो, अपना होता था।

प्र: फिर साड़ी आप कैसे बेचते थे ?

ज: मार्केट में चौक ले जाते थे।

प्र: आप खुद ही ले पाते थे या गिरहस्ता को देते थे ?
ज: हम खुद ही ले जाते थे।

प्र: और तानी कहां से लाते थे ?
ज: मार्केट से यहीं बजरडीहा से।

प्र: आप कहां सीखे किससे ?
ज: सीखे तो यहीं बजरडीहा।

प्र: बुनकरों से ही ?
ज: हां वहां जाकर सीखे हम लोग।

प्र: तो जब आप बुनकारी करते थे तो आपकी महीने की आमदनी कितनी हो जाती थी ?
ज: वो वखत महीने की आमदनी तो अच्छी थी, जब हमने शुरूआत किया वो वखत तो करीब 14-15 सौ, दो हजार तक हो जाता था।

प्र: केवल मुनाफा, लागत वागत छोड़कर ?
ज: हां।

प्र: तीनों भाई का मिला के ?
ज: नहीं अकेले।

प्र: कितने साल पहले की बात है ये ?
ज: अरे धीरे-धीरे अब करीब तीन चार साल तो हमको बन्दै किये हो गया, करीब आठ साल हो गयी।

प्र: अब आप किस काम में लगे हैं ?
ज: अब बस वही दुकान है।

प्र: किस चीज की ?
ज: परचून की।

प्र: तीनों भाई का खर्च इसी से चलता है ?
ज: नहीं।
भाई- हम तो दूसरा काम करते हैं।
भाई साब बड़े है, उ कुछ नहीं करते बैठे रहते है।

प्र: तो उस दुकान से आप लोगों का पूरा खर्च निकल आता है ?
ज: हां हां बच्चे भी है 5 कुछ दूसरा काम भी करते हैं मशीन का तो सब मिला कर उसी से चलता है।

प्रः तो आमदनी आप लोगों की अब बढ़ी है या घटी है, जब आप लोग बुनकारी करते थे, तो ?
जः हां उससे तो थोड़ा करने वाले सब कई लोग हो गये हैं लड़के तो खर्चा चल ही रहा है, उससे ज्यादा तो हो ही जाता है।

प्रः तो ये बताइये कि अगर आप बीमार नहीं पड़ते, आपका ऑपरेशन नहीं हुआ होता ?
जः तब बन्द नहीं करते हम।

प्रः उसमें ज्यादा ठीक लगता था ?
जः हां, ठीक तो लगता ही था, और आराम का काम था, अपने मन का काम था।

प्रः खर्च भी उससे आराम से निकल आता था ?
जः हां हां।

प्रः अच्छा आपके और भी साथी लोग है जो पहले करते थे ये काम ?
जः अब इधर तो नहीं है।
(अन्य) बात बता रहे हैं न कि बजरडीहा में कर रहे है, गांव के लड़के लड़कियां तो चाचा का हमरे वहां लड़का जिसका पैर खराब है, उसमें पापा भी अभी करते हैं।

प्रः कभी भी करते हैं ?
जः हां अभी भी बजरडीहा में।

प्रः तो आप जिनको जानते है, जो लगे यार दोस्त है बुनकारी के काम में, उनकी स्थिति पहले से अच्छी हुई है या वैसी ही है या खराब हुई है ?
जः (अन्य) ये सब वो ही बता सकते हैं।

प्रः आपकी जानकारी में ?
जः नहीं हमारे चाचा या लड़का है न तो बता देगा एकदम सब कुछ पहले से तो अच्छी है।

प्रः आपको जानकारी नहीं है ?
जः नहीं हमको नहीं मालुम हम तो बन्द कर दिये।

प्रः अगर आपको मौका मिले तो आप फिर से बुनकारी के काम में लगेंगे या दुकान वाला ही ठीक है ?
जः नही, अब दुकान वाला ही ठीक हैं इसलिए कि मौका हमको अब मिलेगा नहीं इसलिए दुकाने सही है।

प्रः तो लड़को को आप बुनकारी का काम नहीं सिखायेंगे ?
जः सिखले रहलन ओनहु लोगन छोड़ दिये, जब हमही बन्द कर दिये तो उ लोग कहें कि नाही हम लोग भी अब ये काम नहीं करेंगे, छोड़ दिया।

प्रः लड़के क्यों नहीं पसन्द किये उसके जाना, जब इसमें ज्यादा फायदा था तो ?

जः मन का मौजी है, नहीं उनका मन किया हम क्या कहें।